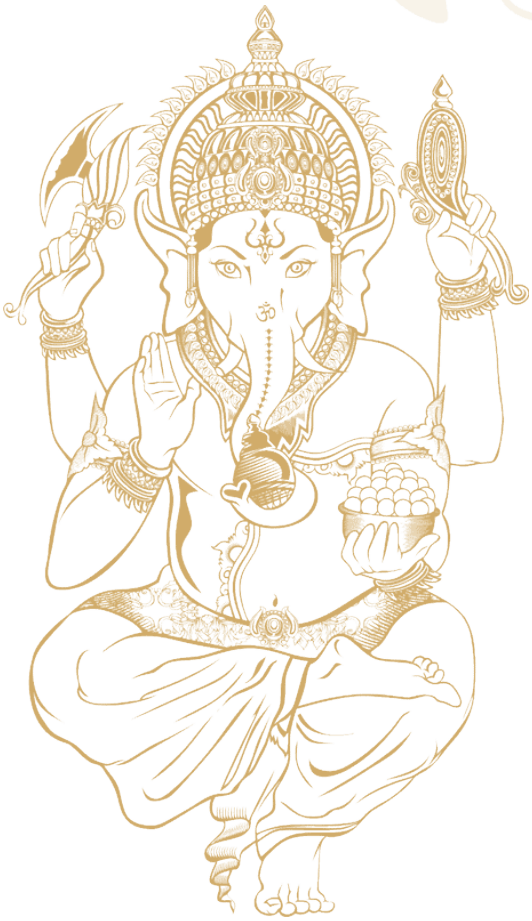

Mr.Neeraj Sharma

17 Nov 1982

12:40 AM

Simla

Model: Web-VarshKundli

Order No: 120150701

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
16-17/11/1982	जन्म तिथि	**16-17/11/2025**
मंगल-बुधवार	दिन	रवि-सोमवार
घंटे 00:40:00	जन्म समय	03:41:48 घंटे
घटी 44:37:33	जन्म समय(घटी)	52:10:48 घटी
India	देश	India
Simla	स्थान	Simla
उत्तर 31:06:00	अक्षांश	31:06:00 उत्तर
पूर्व 77:10:00	रेखांश	77:10:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:20	स्थानिक संस्कार	-00:21:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:48:58	सूर्योदय	06:49:28
17:23:00	सूर्यास्त	17:22:43
23:36:46	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:10
सिंह	लग्न	कन्या
सूर्य	लग्न लग्नाधिपति	बुध
वृश्चिक	राशि	कन्या
मंगल	राशि-स्वामी	बुध
अनुराधा	नक्षत्र	चित्रा
शनि	नक्षत्र स्वामी	मंगल
4	चरण	1
अतिगण्ड	योग	प्रीति
बालव	करण	तैतिल
ने-नैनसुख	जन्म नामाक्षर	पे-पैनी
वृश्चिक	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक
विप्र	वर्ण	वैश्य
कीटक	वश्य	मानव
मृग	योनि	व्याघ्र
देव	गण	राक्षस
मध्य	नाड़ी	मध्य
सर्प	वर्ग	मूषक
43	गत/तत्कालिक वर्ष	44

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
मघा	4	10:45:23	सिंह			लग्न			कन्या	19:53:07	3	हस्त
विशाखा	4	00:29:21	वृश्चि			सूर्य			वृश्चि	00:35:28	4	विशाखा
अनुराधा	4	13:42:19	वृश्चि			चंद्र			कन्या	24:05:20	1	चित्रा
पूर्वाषाढ़ा	2	18:18:57	धनु			मंगल		अ	वृश्चि	14:43:35	4	अनुराधा
विशाखा	3	28:45:46	तुला		अ	बुध	व	अ	वृश्चि	08:32:35	2	अनुराधा
विशाखा	3	27:58:04	तुला		अ	गुरु	व		कर्क	00:53:15	4	पुनर्वसु
अनुराधा	1	03:40:08	वृश्चि		अ	शुक्र			तुला	18:17:38	4	स्वाति
चित्रा	4	04:59:55	तुला			शनि	व		मीन	01:03:03	4	पू०भाद्रपद
आर्द्रा	2	11:07:25	मिथु	व		राहु	व		कुंभ	21:48:50	1	पू०भाद्रपद
मूल	4	11:07:25	धनु	व		केतु	व		सिंह	21:48:50	3	पू०फाल्गुनी
अनुराधा	3	10:37:08	वृश्चि			मु			मीन	10:45:23	3	उ०भाद्रपद

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:10

लग्न-चलित

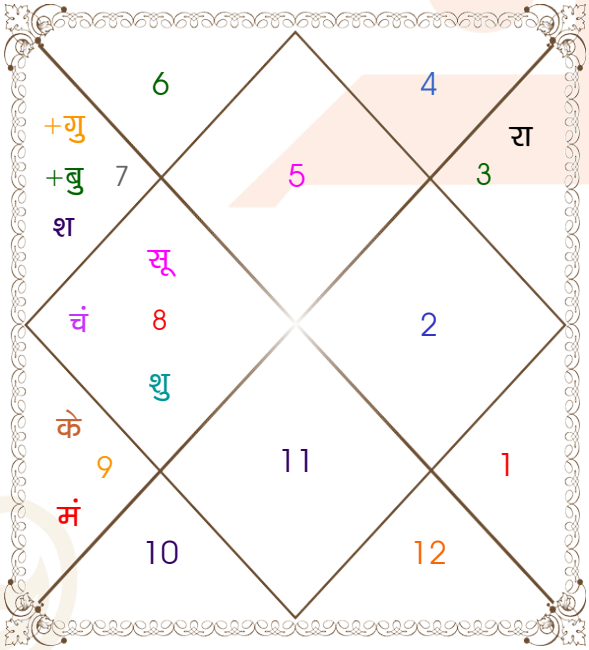

वर्ष लग्न कुंडली

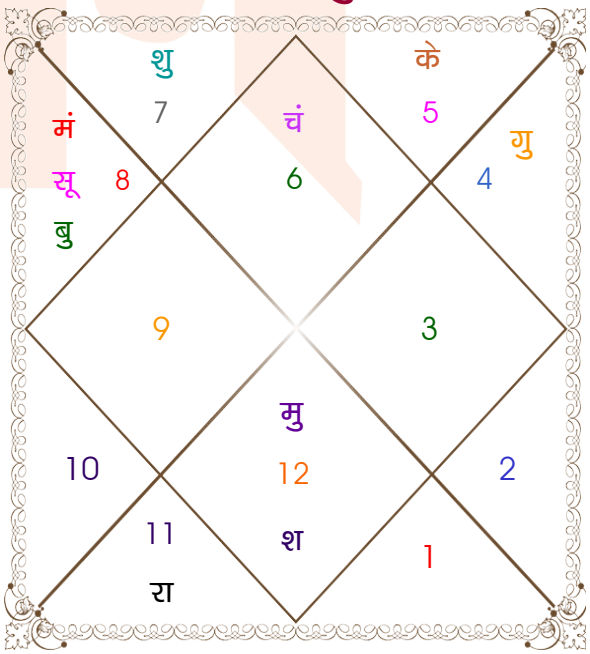

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

चन्द्र कुंडली

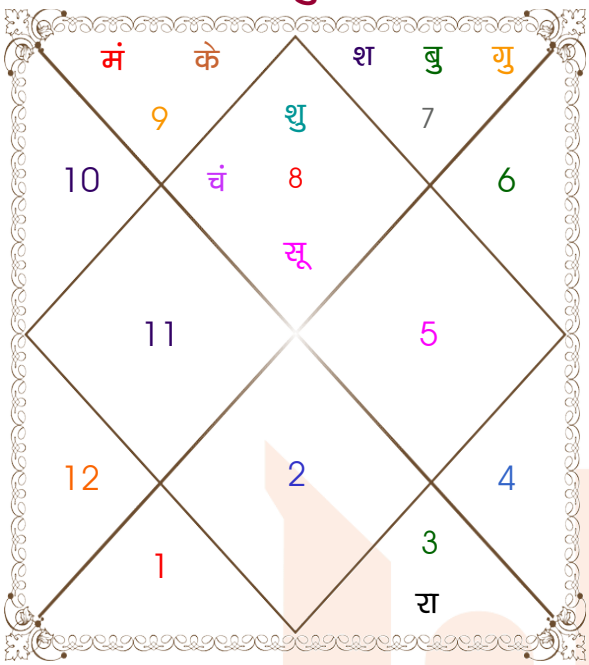

वर्ष चन्द्र कुंडली

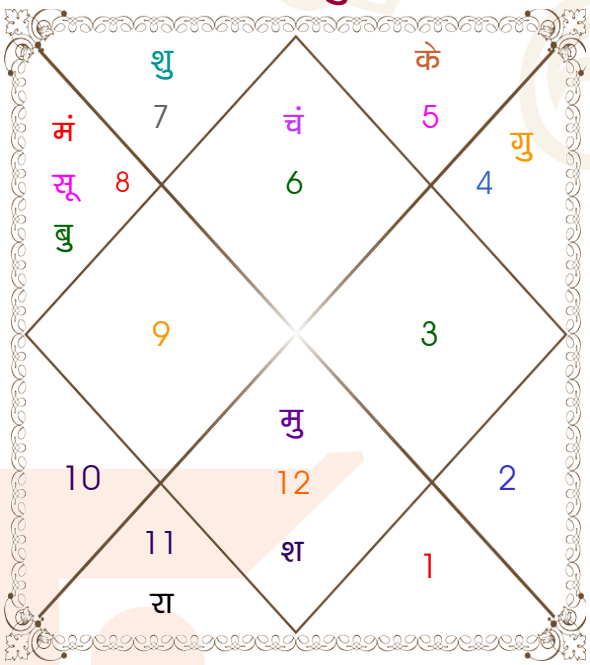

नवमांश कुंडली

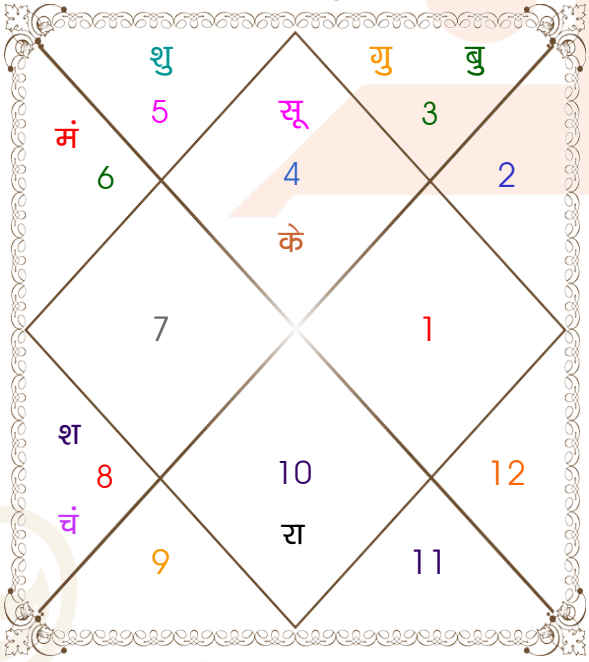

वर्ष नवमांश कुंडली

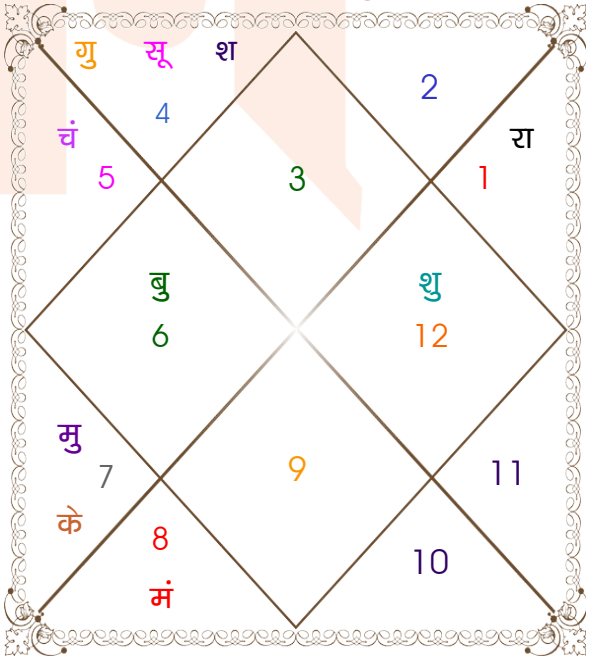

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

मैत्री सारिणी

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	---	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	मित्र
चन्द्र	मित्र	---	मित्र	मित्र	मित्र	सम	शत्रु
मंगल	शत्रु	मित्र	---	शत्रु	मित्र	सम	मित्र
बुध	शत्रु	मित्र	शत्रु	---	मित्र	सम	मित्र
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	---	शत्रु	मित्र
शुक्र	सम	सम	सम	सम	शत्रु	---	सम
शनि	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	सम	---

द्वादशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	कन्या	वृश्चि	कन्या	वृश्चि	वृश्चि	कर्क	तुला	मीन
होरा	सिंह	कर्क	सिंह	कर्क	कर्क	कर्क	कर्क	कर्क
द्रेष्काण	वृष	वृश्चि	कन्या	सिंह	वृश्चि	वृष	कुंभ	मक
चतुर्थांश	मीन	वृश्चि	मिथु	कुंभ	कुंभ	कर्क	मेष	मीन
पंचमांश	मक	वृष	वृश्चि	मीन	कन्या	वृष	मिथु	वृष
षष्ठांश	मक	तुला	कुंभ	धनु	वृश्चि	तुला	कर्क	तुला
सप्तमांश	कर्क	वृष	सिंह	सिंह	मिथु	मक	कुंभ	कन्या
अष्टमांश	तुला	सिंह	वृश्चि	वृश्चि	तुला	मेष	सिंह	वृष
नवमांश	मिथु	कर्क	सिंह	वृश्चि	कन्या	कर्क	मीन	कर्क
दशमांश	वृश्चि	कर्क	मक	वृश्चि	कन्या	मीन	मेष	वृश्चि
एकादशांश	मीन	तुला	मेष	मीन	मक	मिथु	मीन	कुंभ
द्वादशांश	मेष	वृश्चि	मिथु	मेष	कुंभ	कर्क	वृष	मीन

द्वादशवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	शत्रु	मित्र	स्व	शत्रु	मित्र	स्व	मित्र
होरा	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	सम	शत्रु
द्रेष्काण	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम	स्व
चतुर्थांश	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	सम	मित्र
पंचमांश	सम	मित्र	मित्र	स्व	शत्रु	सम	सम
षष्ठांश	सम	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	सम	सम
सप्तमांश	सम	मित्र	शत्रु	स्व	मित्र	सम	मित्र
अष्टमांश	स्व	मित्र	स्व	सम	मित्र	सम	सम
नवमांश	मित्र	मित्र	स्व	स्व	मित्र	शत्रु	शत्रु
दशमांश	मित्र	शत्रु	स्व	स्व	स्व	सम	मित्र
एकादशांश	सम	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	स्व
द्वादशांश	शत्रु	मित्र	स्व	मित्र	मित्र	स्व	मित्र
शुभ	4	10	10	8	9	2	7
सम	4	0	0	1	0	8	3
अशुभ	4	2	2	3	3	2	2
कुल	सम	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	सम	शुभ

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

हर्ष बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
प्रथम बल	0	0	0	0	5	0	0
द्वितीय बल	0	0	5	0	5	5	0
तृतीय बल	0	5	0	5	5	5	5
चतुर्थ बल	0	5	0	5	0	5	5
कुल	0	10	5	10	15	15	10
बल	अतिक्षीण	सामान्य	क्षीण	सामान्य	बली	बली	सामान्य

पंचवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
क्षेत्रीय बल	7.50	22.50	30.00	7.50	22.50	30.00	22.50
उच्च बल	2.29	4.32	11.86	14.05	19.54	2.37	5.44
हददा बल	3.75	11.25	3.75	7.50	11.25	3.75	7.50
द्रेष्काण	2.50	7.50	2.50	2.50	2.50	5.00	10.00
नवमांश	3.75	3.75	5.00	5.00	3.75	1.25	1.25
कुल	19.79	49.32	53.11	36.55	59.54	42.37	46.69
विंशोपक	4.95	12.33	13.28	9.14	14.89	10.59	11.67
बल	क्षीण	शुभ	शुभ	सामान्य	शुभ	शुभ	शुभ

वर्षेश निर्णय

स्वामित्व	ग्रह	बल	लग्न पर दृष्टि	वर्षेश
जन्म लग्नाधिपति	सूर्य	4.95	शुभ	
वर्ष लग्नाधिपति	बुध	9.14	शुभ	
मुन्था लग्नाधिपति	गुरु	14.89	शुभ	गुरु
दिवापति	बुध	9.14	शुभ	
त्रिराशिपति	शुक्र	10.59	दृष्टि नहीं	

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

पात्यंश दशा

सूर्य		गुरु		शनि		बुध		मंगल	
17/11/2025		26/11/2025		30/11/2025		03/12/2025		26/03/2026	
26/11/2025		30/11/2025		03/12/2025		26/03/2026		28/06/2026	
	17/11/2025	गुरु	26/11/2025	शनि	30/11/2025	बुध	07/01/2026	मंगल	19/04/2026
	17/11/2025	शनि	26/11/2025	बुध	01/12/2025	मंगल	05/02/2026	शुक्र	03/05/2026
	17/11/2025	बुध	27/11/2025	मंगल	02/12/2025	शुक्र	22/02/2026	लग्न	09/05/2026
बुध	20/11/2025	मंगल	28/11/2025	शुक्र	02/12/2025	लग्न	01/03/2026	चंद्र	26/05/2026
मंगल	22/11/2025	शुक्र	29/11/2025	लग्न	02/12/2025	चंद्र	21/03/2026	सूर्य	28/05/2026
शुक्र	23/11/2025	लग्न	29/11/2025	चंद्र	02/12/2025	सूर्य	24/03/2026	गुरु	29/05/2026
लग्न	24/11/2025	चंद्र	30/11/2025	सूर्य	03/12/2025	गुरु	25/03/2026	शनि	30/05/2026
चंद्र	26/11/2025	सूर्य	30/11/2025	गुरु	03/12/2025	शनि	26/03/2026	बुध	28/06/2026

शुक्र		लग्न		चंद्र		चंद्र		चंद्र	
28/06/2026		21/08/2026		14/09/2026		14/09/2026		14/09/2026	
21/08/2026		14/09/2026		17/11/2026		17/11/2026		17/11/2026	
शुक्र	06/07/2026	लग्न	23/08/2026	चंद्र	25/09/2026	चंद्र	25/09/2026	चंद्र	25/09/2026
लग्न	10/07/2026	चंद्र	27/08/2026	सूर्य	27/09/2026	सूर्य	27/09/2026	सूर्य	27/09/2026
चंद्र	19/07/2026	सूर्य	27/08/2026	गुरु	28/09/2026	गुरु	28/09/2026	गुरु	28/09/2026
सूर्य	20/07/2026	गुरु	28/08/2026	शनि	28/09/2026	शनि	28/09/2026	शनि	28/09/2026
गुरु	21/07/2026	शनि	28/08/2026	बुध	18/10/2026	बुध	18/10/2026	बुध	18/10/2026
शनि	21/07/2026	बुध	04/09/2026	मंगल	03/11/2026	मंगल	03/11/2026	मंगल	03/11/2026
बुध	07/08/2026	मंगल	11/09/2026	शुक्र	13/11/2026	शुक्र	13/11/2026	शुक्र	13/11/2026
मंगल	21/08/2026	शुक्र	14/09/2026	लग्न	17/11/2026	लग्न	17/11/2026	लग्न	17/11/2026

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
पात्यंश दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

मुद्दा दशा

राहु		गुरु		शनि		बुध		केतु	
17/11/2025		10/01/2026		28/02/2026		27/04/2026		18/06/2026	
10/01/2026		28/02/2026		27/04/2026		18/06/2026		09/07/2026	
राहु	25/11/2025	गुरु	17/01/2026	शनि	09/03/2026	बुध	04/05/2026	केतु	19/06/2026
गुरु	02/12/2025	शनि	25/01/2026	बुध	17/03/2026	केतु	07/05/2026	शुक्र	23/06/2026
शनि	11/12/2025	बुध	01/02/2026	केतु	21/03/2026	शुक्र	16/05/2026	सूर्य	24/06/2026
बुध	19/12/2025	केतु	03/02/2026	शुक्र	31/03/2026	सूर्य	19/05/2026	चंद्र	25/06/2026
केतु	22/12/2025	शुक्र	12/02/2026	सूर्य	02/04/2026	चंद्र	23/05/2026	मंगल	27/06/2026
शुक्र	31/12/2025	सूर्य	14/02/2026	चंद्र	07/04/2026	मंगल	26/05/2026	राहु	30/06/2026
सूर्य	03/01/2026	चंद्र	18/02/2026	मंगल	11/04/2026	राहु	03/06/2026	गुरु	03/07/2026
चंद्र	07/01/2026	मंगल	21/02/2026	राहु	19/04/2026	गुरु	10/06/2026	शनि	06/07/2026
मंगल	10/01/2026	राहु	28/02/2026	गुरु	27/04/2026	शनि	18/06/2026	बुध	09/07/2026

शुक्र		सूर्य		चंद्र		मंगल		मंगल	
09/07/2026		08/09/2026		26/09/2026		27/10/2026		27/10/2026	
08/09/2026		26/09/2026		27/10/2026		17/11/2026		17/11/2026	
शुक्र	19/07/2026	सूर्य	09/09/2026	चंद्र	29/09/2026	मंगल	28/10/2026	मंगल	28/10/2026
सूर्य	22/07/2026	चंद्र	10/09/2026	मंगल	30/09/2026	राहु	31/10/2026	राहु	31/10/2026
चंद्र	27/07/2026	मंगल	11/09/2026	राहु	05/10/2026	गुरु	03/11/2026	गुरु	03/11/2026
मंगल	31/07/2026	राहु	14/09/2026	गुरु	09/10/2026	शनि	06/11/2026	शनि	06/11/2026
राहु	09/08/2026	गुरु	17/09/2026	शनि	14/10/2026	बुध	09/11/2026	बुध	09/11/2026
गुरु	17/08/2026	शनि	19/09/2026	बुध	18/10/2026	केतु	11/11/2026	केतु	11/11/2026
शनि	27/08/2026	बुध	22/09/2026	केतु	20/10/2026	शुक्र	14/11/2026	शुक्र	14/11/2026
बुध	04/09/2026	केतु	23/09/2026	शुक्र	25/10/2026	सूर्य	15/11/2026	सूर्य	15/11/2026
केतु	08/09/2026	शुक्र	26/09/2026	सूर्य	27/10/2026	चंद्र	17/11/2026	चंद्र	17/11/2026

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
मुद्दा दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

शुक्र - शनि - चंद्र		शुक्र - शनि - मंगल		शुक्र - शनि - राहु		शुक्र - शनि - गुरु	
01/10/2025 21:06		06/01/2026 06:21		14/03/2026 17:38		04/09/2026 05:29	
06/01/2026 06:21		14/03/2026 17:38		04/09/2026 05:29		05/02/2027 10:41	
चंद्र	09/10/2025 21:52	मंगल	10/01/2026 04:49	राहु	09/04/2026 18:12	गुरु	24/09/2026 18:58
मंगल	15/10/2025 12:49	राहु	20/01/2026 07:42	गुरु	02/05/2026 21:23	शनि	19/10/2026 05:00
राहु	29/10/2025 23:48	गुरु	29/01/2026 07:36	शनि	30/05/2026 08:40	बुध	10/11/2026 01:20
गुरु	11/11/2025 20:14	शनि	08/02/2026 23:59	बुध	23/06/2026 22:32	केतु	19/11/2026 01:14
शनि	27/11/2025 02:30	बुध	18/02/2026 13:23	केतु	04/07/2026 01:26	शुक्र	14/12/2026 18:06
बुध	10/12/2025 18:13	केतु	22/02/2026 11:51	शुक्र	01/08/2026 23:24	सूर्य	22/12/2026 11:10
केतु	16/12/2025 09:09	शुक्र	05/03/2026 17:43	सूर्य	10/08/2026 15:36	चंद्र	04/01/2027 07:36
शुक्र	01/01/2026 10:41	सूर्य	09/03/2026 02:41	चंद्र	25/08/2026 02:35	मंगल	13/01/2027 07:30
सूर्य	06/01/2026 06:21	चंद्र	14/03/2026 17:38	मंगल	04/09/2026 05:29	राहु	05/02/2027 10:41

शुक्र - बुध - बुध		शुक्र - बुध - केतु		शुक्र - बुध - शुक्र		शुक्र - बुध - सूर्य	
05/02/2027 10:41		02/07/2027 01:15		31/08/2027 10:05		19/02/2028 21:35	
02/07/2027 01:15		31/08/2027 10:05		19/02/2028 21:35		11/04/2028 15:26	
बुध	26/02/2027 05:09	केतु	05/07/2027 13:46	शुक्र	29/09/2027 04:00	सूर्य	22/02/2028 11:40
केतु	06/03/2027 18:24	शुक्र	15/07/2027 15:14	सूर्य	07/10/2027 18:58	चंद्र	26/02/2028 19:09
शुक्र	31/03/2027 04:49	सूर्य	18/07/2027 15:41	चंद्र	22/10/2027 03:56	मंगल	29/02/2028 19:36
सूर्य	07/04/2027 12:45	चंद्र	23/07/2027 16:25	मंगल	01/11/2027 05:24	राहु	08/03/2028 13:53
चंद्र	19/04/2027 17:58	मंगल	27/07/2027 04:56	राहु	27/11/2027 02:19	गुरु	15/03/2028 11:27
मंगल	28/04/2027 07:13	राहु	05/08/2027 06:15	गुरु	20/12/2027 02:15	शनि	23/03/2028 16:05
राहु	20/05/2027 07:00	गुरु	13/08/2027 07:26	शनि	16/01/2028 09:41	बुध	31/03/2028 00:01
गुरु	08/06/2027 20:09	शनि	22/08/2027 20:50	बुध	09/02/2028 20:06	केतु	03/04/2028 00:27
शनि	02/07/2027 01:15	बुध	31/08/2027 10:05	केतु	19/02/2028 21:35	शुक्र	11/04/2028 15:26

शुक्र - बुध - चंद्र		शुक्र - बुध - मंगल		शुक्र - बुध - राहु		शुक्र - बुध - गुरु	
11/04/2028 15:26		06/07/2028 21:11		05/09/2028 06:00		07/02/2029 11:33	
06/07/2028 21:11		05/09/2028 06:00		07/02/2029 11:33		25/06/2029 11:09	
चंद्र	18/04/2028 19:54	मंगल	10/07/2028 09:42	राहु	28/09/2028 12:50	गुरु	25/02/2029 21:06
मंगल	23/04/2028 20:39	राहु	19/07/2028 11:01	गुरु	19/10/2028 05:35	शनि	19/03/2029 17:26
राहु	06/05/2028 19:06	गुरु	27/07/2028 12:12	शनि	12/11/2028 19:27	बुध	08/04/2029 06:35
गुरु	18/05/2028 07:04	शनि	06/08/2028 01:35	बुध	04/12/2028 19:14	केतु	16/04/2029 07:45
शनि	31/05/2028 22:47	बुध	14/08/2028 14:50	केतु	13/12/2028 20:34	शुक्र	09/05/2029 07:41
बुध	13/06/2028 04:00	केतु	18/08/2028 03:21	शुक्र	08/01/2029 17:29	सूर्य	16/05/2029 05:16
केतु	18/06/2028 04:44	शुक्र	28/08/2028 04:50	सूर्य	16/01/2029 11:46	चंद्र	27/05/2029 17:14
शुक्र	02/07/2028 13:41	सूर्य	31/08/2028 05:16	चंद्र	29/01/2029 10:14	मंगल	04/06/2029 18:25
सूर्य	06/07/2028 21:11	चंद्र	05/09/2028 06:00	मंगल	07/02/2029 11:33	राहु	25/06/2029 11:09

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर में कफ आदि रोगों से आप समय समय पर कष्ट की अनुभूति करेंगे। साथ ही मानसिक रूप से भी आपकी स्थिति अच्छी नहीं रहेगी तथा मन में तनाव एवं व्याकुलता का भाव विद्यमान रहेगा। इस समय शरीर में दुर्बलता भी रहेगी तथा स्वभाव में क्रोध भी अधिक रहेगा फलतः यदा कदा अनावश्यक परेशानियां उत्पन्न होंगी। परिवार की सुख शान्ति तथा समृद्धि इस वर्ष में अच्छी नहीं रहेगी तथा पुत्र एवं स्त्री से संबंधों में तनाव तथा परस्पर कलह का भाव रहेगा जिससे दाम्पत्य सुख में न्यूनता रहेगी। धर्म के प्रति भी इस समय आपकी श्रद्धा कम ही रहेगी तथा धार्मिक प्रवृतियों की आप उपेक्षा करेंगे। साथ ही सुख संसाधनों में भी अल्पता रहेगी तथा सुख भी अल्प मात्रा में प्राप्त होगा। इस समय समाज में लोकोपवाद से आपकी मान हानि की संभावना रहेगी फलतः मानसिक व्याकुलता की आपको अनुभूति होगी।

व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष अनुकूल नहीं रहेगा तथा व्यापारिक उन्नति तथा सफलता में व्यवधान उत्पन्न होंगे साथ ही हानि की भी संभावना रहेगी। नौकरी या राजनीति में इस समय आपकी उन्नति में विलम्ब होगा तथा इसमें रूकावटें भी आएंगी। शत्रु पक्ष से इस समय आप चिन्तित भयभीत तथा पराजित रहेंगे तथा समाज में अन्य जनों से आपका कलह भी होता रहेगा जिससे समाजिक मान सम्मान तथा यश में कमी आएगी। इस समय बन्धुवर्ग से भी आपको तिरस्कृत होना पड़ेगा तथा वे आपको कोई भी सहयोग प्रदान नहीं करेंगे । इसके अतिरिक्त आर्थिक रूप से भी आप परेशान रहेंगे तथा धनाभाव से कष्ट प्राप्त होगा। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए प्रतिकूल रहेगा। अतः शान्ति पूर्वक अपना समय व्यतीत करें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर कष्ट एवं परेशानी की अनुभूति करते रहेंगे। इस समय आपकी मानसिक स्थिति भी विशेष अच्छी नहीं रहेगी तथा अशान्ति एवं असन्तुष्टि का भाव मन में विद्यमान रहेगा। स्त्री एवं बन्धुवर्ग से आपको विशेष सुख एवं सहयोग अल्प ही मिलेगा तथा इनसे समय समय पर आपको अनावश्यक समस्याएं तथा परेशानियां उत्पन्न होंगी। शत्रु पक्ष से भी आप इस समय चिन्तित रहेंगे तथा आपके लिए वे उन्नति के मार्ग में व्यवधान उत्पन्न करते रहेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों की आप उपेक्षा करेंगे। साथ ही लोभ एवं मोह में आपकी अधिक आसक्ति रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति एवं सफलता के लिए भी वर्ष अनुकूल नहीं रहेगा तथा उन्नति के मार्ग में व्यवधान होंगे अतः नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में वरिष्ठ सहयोगी अथवा उच्चाधिकारी वर्ग से सावधान रहें एवं उनकी आज्ञा का पालन करें ।साथ ही व्यापार आदि में भी सहयोगियों से सावधान रहें एवं किसी नए कार्य पर व्यय न करें तथा प्रारंभ भी न करें अन्यथा असफलता ही अधिक मिलेगी। मित्र वर्ग से भी इस समय आप को विशेष सहयोग नहीं मिलेगा तथा वे भी ऐसे समय में शत्रु की तरह की तरह व्यवहार करेंगे।मानसिक रूप से भी आप में दुर्बलता रहेगी तथा किसी प्रकार के बन्धन का भी भय लगा रहेगा।अतः ऐसे समय में आपको अत्यंत ही संयम एवं सावधानी पूर्वक अपना समय व्यतीत करना चाहिए।

मासिक फलादेश

प्रथम मास
17/11/2025 03:41:48 से 17/12/2025 14:12:51 तक

यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा। इस समय स्त्री पक्ष तथा बन्धु जनों से आप कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही शत्रु की तरफ से भी चिन्ता बनी रहेगी। आप में इस समय उत्साह की न्यूनता भी परिलक्षित होगी तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा। आप शरीर से भी अस्वस्थता की अनुभूति करेंगे तथा मन में लालच के भाव की भी प्रधानता होगी। साथ ही आप अपने शरीर का पूर्ण ध्यान नहीं रखेंगे। अपने बन्धुजनों से आपके सम्बन्धों में तनाव भी उत्पन्न होगा एवं मित्र भी शत्रुओं के समान व्यवहार करेंगे जिससे मानसिक तनाव बना रहेगा। इसके अतिरिक्त अन्य जनों से भी संघर्ष होने का भय बना रहेगा।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी समय समय पर घटित होंगे।अतः आप स्त्री से सुख प्राप्त करेंगे एवं बुद्धिमत्ता से अपने अधिकांश कार्यों को सम्पन्न करेंगे। साथ ही धर्मानुपालन में भी आप रूचिशील रहेंगे। अतः आपका यह मास मध्यम रूप से ही व्यतीत होगा।

द्वितीय मास
17/12/2025 14:12:51 से 17/01/2026 00:43:54 तक

इस मास में आप शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगे। इस समय आप दुष्ट मनुष्यों की संगति को प्राप्त करेंगे तथा व्यय भी काफी होगा जिससे आर्थिक एवं मानसिक रूप से आप कष्टानुभूति होगी। साथ ही शारीरिक रूप से भी आप अस्वस्थ रहेंगे। काफी परिश्रम के बाद भी आप अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में अल्प सफलता ही प्राप्त कर सकेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी एवं देवता तथा ब्राहमणों को आप उचित सम्मान प्रदान नहीं करेंगे।साथ ही अन्य प्रकार से भी आप धन हानि को प्राप्त कर सकते हैं। आपके मित्रों एवं सम्बन्धियों से तनावपूर्ण सम्बन्ध रहेंगे तथा नौकरी या व्यापारिक कार्यों में भी अनावश्यक रूप से बाधाएं या रूकावटें उत्पन्न होंगी। शत्रु पक्ष से भी आपके मन में भय तथा चिन्ता रहेगी तथा जिस कार्य को भी आप प्रारम्भ करेंगे उसमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही अधिक मात्रा में प्राप्त होगी। अतः समय समय पर मन से बेचैनी भी रहेंगी।

साथ ही इस मास में आप गर्मी या पित्त आदि से उत्पन्न रोगों द्वारा कष्ट प्राप्त करेंगे तथा रक्तविकार का भी योग बनता है अतः सावधानीपूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें जिससे अनावश्यक कष्ट न हो सकें तथा शारीरिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा का भी ध्यान रखें।

तृतीय मास
17/01/2026 00:43:54 से 16/02/2026 11:14:57 तक

यह मास आपके लिए सामान्यतया अशुभ फल दायक रहेगा। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर में दुर्बलता भी विद्यमान रहेगी। आपके शत्रु इस समय अधिक प्रबल होंगे फलतः शत्रु पक्ष से भय तथा चिन्ता बनी रहेगी। आपके घर में इस समय चोरी भी हो सकती है ।अतः सावधान रहने की आवश्यकता रहेगी। नौकरी या व्यवसाय में अपने उच्चाधिकारी वर्ग की उपेक्षा न करें अन्यथा आप किसी प्रकार से दंडित या जुर्माना प्राप्त कर सकते हैं। इस मास आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही पूर्ण होंगे तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा। इसके साथ ही आप किसी कठोर कार्य को भी सम्पन्न कर सकते हैं। जिसका प्रभाव आपकी प्रतिष्ठा पर पड़ेगा तथा इससे आपको बाद में पछताना पड़ेगा। आपकी मित्रों तथा सम्बन्धियों से भी इस समय सम्बन्धों में तनाव रहेगा तथा आशाओं में पूर्ण सफलता प्राप्त करने में भी असमर्थ रहेंगे।

साथ ही इस समय आप पित्तादि दोषों से शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा रूधिर विकार की भी सम्भावना हो सकती है। अतः इस मास शारीरिक सुरक्षा का भी आपको पूर्ण ध्यान रखना चाहिए जिससे अल्प मात्रा में ही कष्ट हो।

चतुर्थ मास
16/02/2026 11:14:57 से 18/03/2026 21:46:00 तक

यह मास आपका मध्यम रूप से व्यतीत होगा तथा आप शुभाशुभ दोनों प्रकार के फलों को प्राप्त करेंगे। इस समय आपका व्ययाधिक्य रहेगा तथा दुष्ट मनुष्यों की संगति भी करेंगे फलतः समाज में आपके सम्मान में न्यूनता आएगी। इस समय आप शारीरिक रूप से अस्वस्थ रहेंगे एवं मन में अशान्ति का भाव भी विद्यमान रहेगा। अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न करने के लिए आपको अत्यधिक परिश्रम एवं पराक्रम प्रदर्शित करना पड़ेगा फिर भी सफलता अल्प मात्रा में ही मिलेगी। धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा की अपेक्षा उपेक्षा का भाव ही अधिक रहेगा साथ ही मित्रों एवं सम्बधियों के साथ परस्पर संबन्धों में तनाव रहेगा आपके कार्यक्षेत्र में भी इस समय व्यवधान उत्पन्न होगा एवं शत्रुपक्ष से भी चिन्ता तथा भय नित्य बना रहेगा। इसके अतिरिक्त मानसिक रूप से भी आप उद्विग्न रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी अर्जित करेंगे। इससे आप स्त्री से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे तथा आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव की भी वृद्धि होगी तथा अन्य प्रकार से भी आप सुखानुभूति प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन करेंगे।

पंचम् मास
18/03/2026 21:46:00 से 18/04/2026 08:17:03 तक

यह महीना आपके लिए सामान्यतया अशुभ फलदायक रहेगा। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा फलतः आप शारीरिक रूप से दुर्बलता की अनुभूति करेंगे। साथ ही शत्रु पक्ष के प्रबल होने से उनकी तरफ से भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे अतः मन में भी अशान्ति रहेगी। आपके घर में इस मास चोरी भी हो सकती है अतः चोरों से सावधान रहें। साथ ही अपने उच्चाधिकारी वर्ग से पूर्ण सहयोग रखें एवं उनकी आज्ञा का पालन करें अन्यथा आपको दण्डित भी किया जा सकता है। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास अल्प मात्रा में ही सम्पन्न होंगे तथा धन का व्यय भी अनावश्यक तथा अधिक होगा।साथ ही आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिसके लिए आपको बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा।संबधियों एवं मित्रों से आपके संबधों में तनाव रहेगा एवं समाज से भी आप अपने को उपेक्षित महसूस करेंगे। इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस समय अल्प मात्रा में ही पूर्ण होंगी ।

साथ ही इस समय आप वातोत्पन्न रोगों से भी पीड़ित रहेंगे। अग्नि के द्वारा भी आप न्यूनाधिक धन हानि प्राप्त करेंगे अतः सोच समझकर अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें जिससे अनावश्यक कष्ट न हों।

षष्ठ मास
18/04/2026 08:17:03 से 18/05/2026 18:48:06 तक

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ फलदायक रहेगा इस समय स्त्री वर्ग से आपको पूर्ण लाभ प्राप्त होगा तथा आपके सौभाग्य में भी वृद्धि होगी। जिससे आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथासमय सिद्ध होंगे फलतः मानसिक रूप से आप सन्तुष्ट तथा शान्त रहेंगे। साथ ही सरकार तथा उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप उचित लाभ एवं सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी इस समय उत्तम रहेगा एवं ज्ञानार्जन के क्षेत्र में भी आप रूचिशील रहेंगे तथा इसको प्राप्त करने में आप सफल रहेंगे। साथ ही मित्र एवं बन्धु वर्ग से भी आपके मधुर संबध रहेंगे तथा इनसे पूर्ण लाभ तथा सहयोग अर्जित करेंगे। इस मास में आप इच्छित द्रव्यों की भी प्राप्ति करेंगे तथा प्रसन्नता पूर्वक इनका उपभोग करेंगे संतति पक्ष से भी आप सुख तथा सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे। सामाजिक जनों के मध्य आप इस समय मान सम्मान प्राप्त करेंगे तथा आपके विलम्बित कार्य भी इस समय पूर्ण होंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा महिला सहयोगियों से वांछित सहयोग तथा लाभार्जन करेंगे। इस समय आपकी बुद्धि में भी निर्मलता का भाव विद्यमान रहेगा एवं प्रचुर मात्रा में धन तथा सुख प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे। इसके अतिरिक्त इस मास में आप धर्मानुपालन में भी प्रवृत रहेंगे एवं समाज में यथोचित प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगे।

सप्तम् मास
18/05/2026 18:48:06 से 18/06/2026 05:19:09 तक

यह मास आपके लिए शुभ की अपेक्षा अशुभ ही अधिक रहेगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा साथ ही शत्रु पक्ष के बलवान होने से आप उनसे भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मन में अशान्ति रहेगी। इस मास में आपके घर में चोरी होने की भी संभावना रहेगी। साथ ही ऐसे समय में उच्चाधिकारी वर्ग की भी उपेक्षा न करें एवं उनकी आज्ञा का पूर्ण पालन करें अन्यथा आपको दण्डित भी किया जा सकता है। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस समय अल्प मात्रा में ही सिद्ध होंगे तथा असफलता अधिक मिलेगी। साथ ही इस समय धन का व्यय भी अधिक मात्रा में करेंगे अतः न्यूनाधिक आर्थिक संकट भी बना रहेगा। इस मास में आप किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न कर सकते है जिसके लिए बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। इस समय आपके मित्र तथा संबधियों से मधुर संबध अल्प रहेंगे तथा तनाव अधिक रहेगा तथा आप सामाजिक उपेक्षा भी प्राप्त करेंगे एवं आपकी आशाएं भी अपूर्ण ही रहेंगी।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप स्त्री तथा पुत्र से वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। साथ ही इस मास में नवीन वस्त्र या द्रव्य भी अर्जित करने में सफल हो सकते है। इससे आप अल्प मात्रा में मानसिक सन्तुष्टि तथा शान्ति प्राप्त कर सकेंगे।

अष्टम् मास
18/06/2026 05:19:09 से 18/07/2026 15:50:12 तक

इस मास को आप सुख एवं प्रसन्ता पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे। इस समय आपके कार्य क्षेत्र में पूर्ण उन्नति होगी तथा समाज में आपको उचित सम्मान तथा आदर प्राप्त होगा। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको पूर्ण सम्मान तथा सहयोग अर्जित होगा तथा वे आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। मित्रों एवं बन्धुजनों को आप पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। आपके अधिकांश शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास में सम्पन्न होंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा नियम पूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे। सन्तति पक्ष से आप सुखी रहेंगे तथा बन्धु एवं मित्रों के मध्य आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त आपकी असफल आशाएं भी इस मास में पूर्ण होगी। जिससे मानसिक रूप से शान्ति तथा सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

साथ ही इस मास में आप सरकार या अधिकारी वर्ग से पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगे एवं अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करने में सफल रहेंगे। इस समय आप दूर समीप की लाभदायक यात्रा भी कर सकते है। इसके अतिरिक्त नवीन वस्त्र या द्रव्यों आदि की भी आपको इस समय प्राप्ति हो सकती है।अतः यह मास आपका सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा।

नवम् मास
18/07/2026 15:50:12 से 18/08/2026 02:21:15 तक

इस मास में आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी तथा आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिमता से ही सफल होंगे। इस समय आप कई प्रकार से द्रव्यार्जन करने में समर्थ होंगे तथा पुत्र संतति से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। इस मास में ज्ञानार्जन में भी आपकी रूचि रहेगी तथा इसमें आप सफल भी होंगे। आपके प्रभुत्व में इस समय वृद्धि होगी एवं सभी लोग आपकी योग्यता को स्वीकार करेंगे। इस मास में आपके कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सिद्ध होंगे तथा कहीं से शुभ समाचार भी मिलेगा जिससे आपको प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। इसके साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप वांछित सहयोग तथा लाभार्जन करने में भी सफल रहेंगे। इस समय समाज से आपको पूर्ण प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। अतः मानसिक रूप से आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे।

परन्तु शुभफलों के साथ साथ यदाकदा इस मास में अशुभ फल भी घटित होंगे।अतः आप गर्मी या पित से उत्पन्न होने वाली बीमारियों से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही इस समय आप रक्त विकार से भी पीड़ित हो सकते है। अतः अपने समस्त सांसारिक कार्यकलापों को करने में सतर्कता का अनुपालन करें जिससे अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न न हो सकें।

दशम् मास
18/08/2026 02:21:15 से 17/09/2026 12:52:18 तक

यह मास आपके लिए सामान्यतया शुभ फल दायक रहेगा परन्तु न्यूनाधिक अशुभ फल भी होंगे। इस समय आप स्त्रीवर्ग से पूर्ण लाभ तथा सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे तथा आपके भाग्य में भी वृद्धि होगी जिससे आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य समय पर पूर्ण होंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप लाभार्जन करने में सफल रहेंगे। इस मास में आपका स्वास्थ्य ठीक ही रहेगा तथा मन में भी शान्ति रहेगी। अध्ययन के प्रति भी आप की रूचि उत्पन्न होगी तथा इसमें आप सफलता भी प्राप्त करेंगे। मित्रों एवं संबधियों से आपके मधुर संबध रहेंगे एवं उनसे आपको इच्छित सहयोग प्राप्त होता रहेगा। इस मास में आप को मनोवांछित द्रव्य पदार्थो की भी प्राप्ति होगी। इसके अतिरिक्त बन्धुवर्ग में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा विगत असफल आशाओं में भी सफलता प्राप्त करेंगे।

परन्तु इस मास में शुभफलों के साथ साथ यदाकदा अशुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप गर्मी या पितरोगों से शारीरिक कष्ट की अनुभूति करेंगे। साथ ही रूधिर विकार की भी संभावना रहेगी। अतः इस समय शारीरिक सुरक्षा के प्रति पूर्ण सावधान रहें तथा बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें।

एकादश मास
17/09/2026 12:52:18 से 17/10/2026 23:23:21 तक

यह महीना आप के लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा तथापि न्यूनाधिक शुभ फल भी प्राप्त होते रहेंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा एवं शारीरिक रूप से आप दुर्बलता की अनुभूति करेंगे। शत्रुपक्ष भी आपका इस मास में बलवान रहेगा अतः उनसे आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे।साथ ही घर में भी किसी प्रकार की चोरी आदि भी हो सकती है अतः सावधान रहें। इसके साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग की आज्ञा का तत्परता से पालन करें तथा उनकी किसी भी प्रकार से उपेक्षा न करें अन्यथा आप उनसे दण्ड प्राप्त कर सकते है। इस समय आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अथक परिश्रम के बाद अल्प मात्रा में ही सिद्ध होंगे तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा जिससे आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी। इसके साथ ही इस मास में आप किसी ऐसे कार्य को करेंगे जिससे आपको पछताना पड़ेगा तथा सम्मान में भी न्यूनता आएगी। मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपका मन मुटाव रहेगा। आपकी इच्छाएं इस समय में पूर्ण नहीं होंगी अतः मानसिक रूप से भी आप कष्ट प्राप्त करेंगे।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ आप शुभ फल भी प्राप्त करेंगे। इससे आप पत्नी से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे तथा बुद्धि में निर्मलता होने के कारण बुद्धिचातुर्य से अपने कार्यो को सिद्ध करने में सफल रहेंगे। साथ ही धनार्जन करने में भी आप सफल रहेंगे तथा समाज में प्रतिष्ठा भी प्राप्त कर सकेंगे।

द्वादश मास
17/10/2026 23:23:21 से 17/11/2026 09:54:24 तक

यह मास आपके लिए सामान्यतया शुभ ही रहेगा तथापि अल्प मात्रा में अशुभ फल भी होते रहेंगे। इस समय स्त्री पक्ष से लाभार्जन करने में आप सफल रहेंगे तथा आपके सौभाग्य में भी आशातीत वृद्धि होगी जिससे आपके अधिकांश शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथासमय सिद्ध हो जाएंगे इससे मानसिक रूप से आप पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इस मास में सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगे एवं उनसे आपको यथोचित लाभ तथा सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही आपका स्वास्थ्य भी ठीक ही रहेगा तथा ज्ञानार्जन के प्रति आपकी रूचि उत्पन्न होगी। मित्रों एवं बन्धुओं से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे वांछित सहयोग तथा सुख प्राप्त करने में सफल रहेंगे इस मास में आप इच्छित द्रव्यों को भी प्राप्त करेंगे तथा प्रसन्नतापूर्वक इनका उपभोग करेंगे। संतति पक्ष से भी आपको पूर्ण सुख प्राप्त होगा एवं समाज से पूर्ण सम्मान प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त आपको रूके कार्य भी इस समय पूर्ण होंगे।

परन्तु इस मास में शुभफलों के साथ साथ समय समय पर अशुभ फल भी घटित होंगे।अतः आप ठंड या वात से उत्पन्न रोगों द्वारा कष्ट की अनुभूति करेंगे साथ ही किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे बाद में आपको पश्चाताप भी करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि से भी आप क्षति प्राप्त कर सकते हैं। अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।